दक्षिण चीन सागर में चीन की प्रमुख गैस क्षेत्र की खोज

स्रोत: टाइम्स ऑफ इंडिया

चीन ने दक्षिण चीन सागर **में लिंगशुई 36-1 गैस क्षेत्र की खोज** की घोषणा की है, जो इसे अत्यंत गहरे जल में**विश्व का पहला बड़ा अल्ट्रा-शैलो गैस क्षेत्र बताता है।** यह महत्त्वपूर्ण खोज क्षेत्र में पहले से मौजूद भू-राजनीतिक तनाव को और बढ़ा सकती है।

- लिंगशुई 36-1 गैस क्षेत्र में **100 बिलियन क्यूबिक मीटर से अधिक** प्राकृतिक गैस होने का अनुमान है, जो इसे दक्षिण चीन सागर में एक महत्त्वपूर्ण संसाधन बनाता है।
- वर्ष 2023 में गैस पर लगभग 64.3 बिलियन अमरीकी डॉलर व्यय करने वाले **विश्व के सबसे बड़े प्राकृतिक गैस आयातक के रूप में** चीन का लक्ष्य इस खोज के साथ अपनी ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाना है।
- दक्षिण चीन सागर की **संयुक्त मूल गैस (OGIP) 1 ट्रिलियन क्यूबिक मीटर से अधिक है,** जो वैश्विक ऊर्जा संसाधनों में इसकी महत्त्वपूर्ण भूमिका पर ज़ोर देती है।
- **दक्षिण चीन सागर पर** फिलीपींस, वियतनाम, मलेशिया, ब्रुनेई और ताइवान चीन के दावों का विरोध कर रहे हैं।
    - **चीन के तेल रिग (rig) को लेकर वर्ष 2014 में वियतनाम में हुए विरोध प्रदर्शन** जैसी पिछली घटनाएँ संसाधन विकास से जुड़े कूटनीतिक मुद्दों को दर्शाती हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोपीय संघ, जापान और सहयोगी छोटे देशों के दावों का समर्थन करते हैं जिससे क्षेत्रीय तनाव बढ़ता है।

और पढ़ें: क्षेत्रीय सुरक्षा एवं वैश्विक समुद्री व्यवस्था के लिये दक्षिण चीन सागर का महत्त्व

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/china-s-major-gas-field-discovery-in-the-south-china-sea